

कार्यालय उप जिलाधिकारी, महावन, जानपद मधुवा।
पत्रांक संख्या 018/2023-23

श्री हुकम सिंह एजुकेशन सोसायटी, काठमा, मधुवा प्रबन्धक निरीक्षी तथा सीएम

तनाम

उत्तर प्रदेश सरकार
अन्तर्गत सत्रा-143 आदिपत्र सं. 22 अधि
सीमा-बहादुरपुर गांव महावन (मधुवा)

आदेश

उत्तर प्रदेश जमींदारी विभाग एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम की धारा 143 के अन्तर्गत प्रकीर्ण जिलेदारों के नाम पुत्र श्री हुकम सिंह निवासी जानपद, महावन, जिला मधुवा प्रबन्धक श्री हुकम सिंह एजुकेशन सोसायटी काठमा-बन्धक सी. काठमा, उत्तर प्रदेश राज्य जिला मधुवा द्वारा एक प्रकीर्ण पत्र सं. 22 अधि दिनांक 06.07.22 को प्रस्तुत किया। प्रकीर्ण सीमा बहादुरपुर के खाता संख्या 26 खाता संख्या 1380, 2) खाता 0.235 हे। लगान 20.65 रु. काठमा भाग में दो खाता 0.238 हे। लगान 5.20 रु. खाता संख्या 00 खाता संख्या 154 खाता सं. 179 हे। लगान 12.10 रु. काठमा भाग में दो खाता 0.179 हे। (2/380) सहायकी भूमि के रूप में दर्ज कराया है। यह कि उक्त भूमि के कुछ भाग पर आवासीय निर्माण हो चुका है। यह कि प्रकीर्ण जमींदारी भूमि काबूट पारस, माधव पारस, माधवानी पारस आदि के प्रयोजन में नहीं लाई जा रही है। अतः प्रकीर्ण जिला के जमींदारी भूमि को आवासीय प्रयोजन के लिए जमा किया जावे।

प्रकीर्ण प्रबन्धक की अधि अधिनियम महावन को संख्या 143 के अन्तर्गत प्रकीर्ण जिला के अन्तर्गत प्रकीर्ण जिला के खाता संख्या 26 खाता संख्या 1380, 2) खाता 0.235 हे। लगान 5.20 रु. काठमा भाग में दो खाता 0.238 हे। लगान 12.10 रु. काठमा भाग में दो खाता 0.179 हे। (2/380) सहायकी भूमि के रूप में दर्ज कराया है। यह कि उक्त भूमि काबूट पारस, माधव पारस, माधवानी पारस आदि के प्रयोजन में नहीं लाई जा रही है और न कोई फसल बोयी गयी है। यह कि उक्त भूमि काबूट - विकास प्रयोजन के लिए अधिनियम नहीं की गयी है। (पुष्टि हेतु जिला के जमींदारी खाता संख्या 26 खाता सं. 154 खाता सं. 179 हे। लगान 12.10 रु. काठमा भाग में दो खाता 0.179 हे। (2/380) सहायकी भूमि को आवासीय प्रयोजन के लिए जमा आवासीय प्रयोजन के लिए जमा किया जावे।

अतः प्रकीर्ण के खाता सं. 22 अधि पत्र तथा उत्तर प्रदेश महावन की संख्या 143 के अन्तर्गत प्रकीर्ण भूमि को निम्न प्रकार से इस कार्य के अन्तर्गत प्रकीर्ण प्रबन्धक एवं जमींदारी अधिनियम की धारा 143 के अन्तर्गत प्रकीर्ण भूमि को निम्न प्रकार से इस कार्य के अन्तर्गत प्रकीर्ण प्रबन्धक द्वारा अधिनियम नहीं की गयी है। (पुष्टि हेतु जिला के जमींदारी खाता संख्या 26 खाता सं. 154 खाता सं. 179 हे। लगान 12.10 रु. काठमा भाग में दो खाता 0.179 हे। (2/380) सहायकी भूमि को आवासीय प्रयोजन के लिए जमा आवासीय प्रयोजन के लिए जमा किया जावे।

- | | |
|--|--|
| 1. कित्त खाता को अन्तर्गत आवासीय घोषित की जा रही है। | - खाता 143 ज.मि. एवं पु.म.मि. |
| 2. भूमि जिला सीमा में स्थित है। | - काठमा जमींदारी महावन |
| 3. भूमि का विवरण | - खाता संख्या 26 खाता संख्या 1380, 2) खाता 0.235 हे। काठमा भाग में दो खाता 0.238 हे। तथा खाता संख्या 0-0 खाता संख्या 154 खाता सं. 179 हे। काठमा भाग में दो खाता 0.179 हे। (2/380) भूमि |
| 4. भूराजस्व | - 00.00 रु. में से 14.00 रु. |
| 5. भूमिधार का नाम न पना | - जिला के जमींदारी खाता संख्या 26 खाता सं. 154 खाता सं. 179 हे। लगान 12.10 रु. काठमा भाग में दो खाता 0.179 हे। (2/380) सहायकी भूमि को आवासीय प्रयोजन के लिए जमा आवासीय प्रयोजन के लिए जमा किया जावे। |



(Signature)
25/10/22
ज.मि. अधि/उप जिलाधिकारी
018-2023-23

- निर्देश -
1. जमींदारी अधिनियम के अन्तर्गत प्रकीर्ण जिला के खाता सं. 22 अधि पत्र तथा उत्तर प्रदेश महावन की संख्या 143 के अन्तर्गत प्रकीर्ण भूमि को निम्न प्रकार से इस कार्य के अन्तर्गत प्रकीर्ण प्रबन्धक एवं जमींदारी अधिनियम की धारा 143 के अन्तर्गत प्रकीर्ण भूमि को निम्न प्रकार से इस कार्य के अन्तर्गत प्रकीर्ण प्रबन्धक द्वारा अधिनियम नहीं की गयी है। (पुष्टि हेतु जिला के जमींदारी खाता संख्या 26 खाता सं. 154 खाता सं. 179 हे। लगान 12.10 रु. काठमा भाग में दो खाता 0.179 हे। (2/380) सहायकी भूमि को आवासीय प्रयोजन के लिए जमा आवासीय प्रयोजन के लिए जमा किया जावे।
 2. उप निर्देशक महावन को दो प्रतियां इसको साथ देविए है कि भूराजस्व एवं पु.म.मि. का अन्तर्गत प्रकीर्ण प्रबन्धक द्वारा अधिनियम नहीं की गयी है। (पुष्टि हेतु जिला के जमींदारी खाता संख्या 26 खाता सं. 154 खाता सं. 179 हे। लगान 12.10 रु. काठमा भाग में दो खाता 0.179 हे। (2/380) सहायकी भूमि को आवासीय प्रयोजन के लिए जमा आवासीय प्रयोजन के लिए जमा किया जावे।

(Signature)
ज.मि. अधि/उप जिलाधिकारी, महावन